उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

पर्यावरणीय अध्ययन (Environmental Studies) पाठ्यक्रम

(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा सी.बी.सी.एस. में ए.ई.सी.सी. के अन्तर्गत अनिवार्य विषय)

कक्षा–शास्त्री ऑनर्स द्वितीय सेमेस्टर **(AECC-4)** (समस्त विषय)
(सत्र 2018–2019 से प्रभावी)

क्रेडिट –02
समय : 03 घण्टे

कुल अंक : 100
सैद्धान्तिक : 80 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन : 20 अंक

इकाई – 1

पारिस्थितिकी तन्त्र :

- पारिस्थितिकी तन्त्र : संरचना तथा कार्यशीलता, ऊर्जा प्रवाह, खाद्य श्रृंखला, खाद्य जाल
- निम्नलिखित पारिस्थितिकी तन्त्रों का अध्ययन
  (i) वन पारिस्थितिकी तन्त्र
  (ii) घास क्षेत्र पारिस्थितिकी तन्त्र
  (iii) मरुस्थलीय पारिस्थितिकी तन्त्र
  (iv) जलीय (तालाब) पारिस्थितिकी तन्त्र

इकाई – 2

प्राकृतिक संसाधन :

- भूमि संसाधन :उपयोगिता, भूमि उपयोग परिवर्तन, मृदा अपरदन, मरुस्थलीकरण, मृदा संरक्षण
- वन संसाधन :वनों से लाभ, वन विनाश के कारण, वन संरक्षण के उपाय, खनन तथा बाँध निर्माण के पर्यावरण पर प्रभाव
- जल संसाधन : सतही तथा भूमिगत जल,जल का अतिविदोहन, जल पर अन्तर्राष्ट्रीय तथा अन्तर्राज्यीय संघर्ष, जल संरक्षण
- ऊर्जा संसाधन : नवीनीकृत तथा अनवीनीकृत ऊर्जा के स्रोत, वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों का उपयोग, बढ़ती ऊर्जा की माँग, केस अध्ययन

इकाई – 3

पर्यावरणीय समस्यायें :

- पर्यावरणीय समस्यायें (अर्थ, कारण तथा निवारण) :
  - जलवायु परिवर्तन
  - भूमण्डलीय तापन
  - ओजोन परत का क्षय
  - अम्लीय वर्षा
- जनजातीय जनसंख्या तथा उनके अधिकार

इकाई – 4

पर्यावरणीय अधिनियम :

- पर्यावरणीय कानून :
    - पर्यावरण सुरक्षा कानून – 1986
    - वायु (प्रदूषण रोकथाम व नियन्त्रक) अधिनियम – 1981
    - जल (प्रदूषण रोकथाम व नियन्त्रक) अधिनियम– 1974
    - वन्य जीव सुरक्षा अधिनियम – 1972
    - वन संरक्षण अधिनियम – 1980
- अन्तर्राष्ट्रीय समझौते :
    - मान्ट्रियल प्रोटोकॉल
    - क्योटो प्रोटोकॉल
    - जैव विविधता कान्वेंशन

इकाई – 5

मानवीय समुदाय तथा पर्यावरण :

- परियोजना प्रभावित व्यक्तियों का विस्थापन तथा पुनर्वास :समस्या, कारण तथा निवारण, केस अध्ययन
- पर्यावरणीय आन्दोलन : चिपको आन्दोलन, साइलेन्ट वैली आन्दोलन, राजस्थान का विशनोई समाज, दिल्ली में सी.एन.जी. चलित वाहनों का संचालन
- वर्षा जल संरक्षण(Rain Water Harvesting)
- पटाखे तथा मानव जीवन पर उनका दुष्प्रभाव

इकाई – 6

क्षेत्रीय/प्रयोगात्मक कार्य :

- स्थानीय प्रदूषित स्थल : नगरीय/ग्रामीण/औद्योगिक/कृषि क्षेत्र का भ्रमण
- उत्तराखण्ड के प्रमुख प्रवासी पक्षियों की पहचान तथा विवरण
- उत्तराखण्ड के प्रमुख स्तनधारियों की पहचान तथा विवरण

अंक विभाजन :– पर्यावरणीय अध्ययन का प्रश्नपत्र कुल 100 अंकों का होगा, जिसमें से 80 अंक सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र एवं 20 अंक आन्तरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं। 80 अंक के सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र में 04 खण्ड होंगे जिसमें प्रथम 03 खण्डों हेतु इकाई–01 से इकाई–05 में से प्रश्न पूछे जाने हैं तथा अन्तिम चतुर्थ खण्ड हेतु 02 निबन्धात्मक प्रश्न इकाई–06 से पूछे जाने हैं। प्रथम खण्ड 10 अंकों का होगा, जिस में 01–01 अंक के 10 बहुविकल्पीय/अति लघुउत्तरीय/रिक्त स्थान/सत्य–असत्य आदि प्रकार के प्रश्न पूछे जाने हैं। विद्यार्थी को सभी 10 प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। द्वितीय खण्ड में 07 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाने हैं जिनमें से विद्यार्थी को किन्हीं 04 प्रश्नों के उत्तर देने हैं तथा प्रत्येक प्रश्न 05 अंक का है। तृतीय खण्ड में 04 विस्तृत उत्तरीय प्रश्न पूछे जाने हैं जिसमें विद्यार्थियों को किन्हीं 02 प्रश्नों का उत्तर देना है तथा प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है। चतुर्थ खण्ड हेतु 02 निबन्धात्मक प्रश्न इकाई–06 से पूछे जाने हैं जिसमें से विद्यार्थी को किसी 01 प्रश्न का उत्तर देना है तथा यह प्रश्न 20 अंक का है।